

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 2999

F-2

Your Roll No.....

Unique Paper Code : 2101201

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy (DC 1.3)

Name of the Paper : INDIAN PHILOSOPHY – I

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt all the five questions.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss the main features of Indian Philosophy.

भारतीय दर्शन की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

What do you understand by Metaphysics ? Explain the different metaphysical theories advanced by Indian Philosophy.

तत्त्वमीमांसा से आप क्या समझते हैं ? भारतीय दर्शन के विभिन्न तत्त्वमीमांसीय सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

2. Discuss the conception of World and God according to the Iśa Upaniṣad.

ईश उपनिषद के अनुसार ईश्वर एवं जगत् की अवधारणाओं की विवेचना कीजिए।

P.T.O.

OR / अथवा

Discuss the Buddhist notions of freedom and happiness with reference to the concept of suffering.

दुःख के संदर्भ में बौद्ध दर्शन के सुख एवं निर्वाण की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए ।

3. Explain the notion of Self in Cārvāka and Śaṅkara.

चार्वाक और शंकर में आत्मा के अवधारणा की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Analyze and examine the notion of the Self in Nāgasena and Śaṅkara.

नागसेन एवं शंकर में आत्मा की अवधारणा की व्याख्या एवं विवेचना कीजिए ।

4. Analyze and examine in detail the Nyāya theory of perception.

न्यायदर्शन के प्रत्यक्ष की विस्तारपूर्ण व्याख्या एवं विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Explain the Sāṅkhya theory of causation. How does the Nyāya system refute this theory ?

सांख्य दर्शन में कारणता के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए । न्याय किस प्रकार इसकी आलोचना करते हैं ?

5. Write short notes on **any two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

(i) Significance of the '*Shānti Mantra*

'शांति मंत्र' का महत्व

(ii) Contemporary relevance of Draupadi's Question

द्रोपदी के प्रश्न की समकालीन महत्व

(iii) The Jaina epistemology

जैन की ज्ञानमीमांसा

(iv) Sudhir Kakar's analysis of '*Karma and Rebirth*'

'कर्म एवं पुनर्जन्म' के संबंध में सुधीर कक्कर की विश्लेषण